श्रीलंका के कोलंबो में एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटर्स के सम्मेलन में गहन अध्ययन के बाद निर्णय

बुद्ध सर्किट में होंगे पूर्वांचल के प्रमुख स्थल

बढ़ेगा पर्यटन

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बुद्ध सर्किट में अब पूर्वांचल के कई प्रमुख स्थल शामिल किए जाएंगे। यह निर्णय कोलंबो (श्रीलंका) में एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटरर्स (एबीटीओ) के एशिया स्तर के सम्मेलन के अंतिम दिन मंगलवार को हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत बीते रविवार से हुई थी। बुद्ध सर्किट में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने और इसे समृद्ध बनाने के उद्देश्य से हुए सम्मेलन में भारत समेत वियतनाम, नेपाल के टूर ऑपरेटरों ने मंथन किया। इसमें चुनार, चकिया के घुरहूपुर में भित्ति चित्रों का प्रचार प्रसार किया जाएगा। भगवान बुद्ध के बोधगया से सारनाथ आने के मार्गों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व को भी विस्तार से बताया जाएगा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष कौलेश कुमार ने कहा कि सम्राट अशोक ने चुनार पत्थरों पर धम्म संदेश अंकित कराकर स्तंभों को स्थापित कराया गया था। हालांकि बुद्ध सर्किट भ्रमण करने आने वाले कुल श्रद्धालुओं में से एक से दो फीसदी पर्यटक चुनार जाते हैं। अब ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका महत्व बताने के उद्देश्य से इसे सर्किट का हिस्सा बनाया जाएगा। चुनार में ही सम्राट अशोक ने पत्थरों पर धम्म संदेश अंकित कराने के लिए कारखाना बनवाया गया था। इसी तरह चकिया में घुरहूपुर की पहाड़ियों में भित्ति चित्रों का प्रचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चीनी यात्री ह्वेनसांग ने पूर्वांचल के बौद्धकाल से जुड़े स्थलों का उल्लेख किया है। सम्मेलन में बनारस से दो टूर ऑपरेटर, अंडमान निकोबार द्वीप समूह से एम विनोद, नई दिल्ली से ऋचा नायर शामिल हुए।

श्रीलंका के अनुराधापुर में हुए तीन दिनी सम्मेलन में शामिल वियतनाम, नेपाल तथा भारत के टूर ऑपरेटर।

- सम्मेलन में भारत, वियतनाम और नेपाल के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा
- चुनार, चकिया के घुरहूपुर समेत कई स्थलों को शामिल करने पर सहमति

02 फीसदी यात्री करते हैं चुनार का भ्रमण

03 दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन फैसला

घुरहूपुर की महत्ता

चीनी यात्री ह्वेनसांग ने यहां की कुछ गुफाओं में भगवान बुद्ध के पदचिह्नों का दिया है विवरण

चुनार की खासियत

सम्राट अशोक ने विभिन्न स्थानों पर यहां के पत्थरों से बने स्तंभ लगवाए थे। सम्राट ने स्तंभ बनवाने के लिए यहां कारखाना भी लगवाया था।

बनारस में एक लाख से अधिक यात्री आते हैं

बुद्ध सर्किट में बनारस में हर साल एक लाख से अधिक श्रद्धालु, पर्यटक आते हैं। वे सारनाथ, राजगीर, नालंदा, गया और लुंबिनी जाते हैं। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और वाराणसी टूरिज्म गिल्ड के अध्यक्ष सुभाष कपूर ने कहा कि बौद्ध सर्किट में नए स्थल जुड़ने से बनारस क्षेत्र में ज्यादा पर्यटक आएंगे।